

मानक शर्तें:

1. भूमि हस्तान्तरण के बाद भी उसके उसके वैधानिक स्थल में कोई परिवर्तन नहीं होगा और वह भी पूर्व की भाँति रक्षित या आरक्षित वन भूमि बनी रहेगी।
2. प्रश्नगत भूमि का उपयोग केवल कथित प्रयोजन हेतु ही किया जायेगा अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं।
3. याचक विभाग प्रस्तावित भूमि अथवा उसके किसी भी भाग को किसी अन्य विभाग, संस्था अथवा व्यक्ति विशेष को हस्तान्तरित नहीं करेगा।
4. भूमि का संयुक्त निरीक्षण करके सुनिश्चित कर लिया गया है कि माँगी गई भूमि न्यूनतम है तथा इसके अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है।
5. हस्तान्तरीय विभाग उसके कर्मचारी, अधिकारी अथवा ठेकेदार वन भूमि को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचायेंगे और ऐसा किये जाने पर सम्बन्धित वनाधिकारी द्वारा निर्धारित मुआवजे के भुगतान उक्त विभाग को करना होगा, जिसके याचक विभाग सहमत हैं।
6. भूमि का सीमांकन याचक विभाग अपने व्यय से सम्बन्धित वनाधिकारी की देर-रेख में करायेगा तथा इस सम्बन्ध में बनाये गये मुनारे आदि की भी देखभाल करेगा।
7. हस्तान्तरण वन भूमि पर वन विभाग के कर्मचारियों को निरीक्षण हेतु जाने पर हस्तान्तरीय विभाग को कोई आपत्ति नहीं हाँगा।
8. बहुमूल्य वन सम्पदा से आच्छादित एवं वन जन्तुओं से भरपूर वन क्षेत्रों का हस्तान्तरण यथासम्भव प्रस्तावित न किया जाय। केवल अपरिहार्य कारणों से ही ऐसा किया जाना सम्भव होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह होगा कि वन सम्पदा की क्षतिपूर्ति एवं अन्य जन्तुओं के स्वच्छन्द विवरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही भूमि हस्तान्तरित की जायेगी।
9. सिंचाई विभाग/जल निगम द्वारा वन विभाग की नरसरियों पौधों को एवं वन विभाग के कर्मचारियों की निःशुल्क जल की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।
10. याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित वन भूमि का उपयोग अन्य प्रयोजन हेतु करने अथवा विभाग संस्था या व्यक्ति विशेष की हस्तान्तरित करने पर वन भूमि स्वतः बिना किसी प्रकार के प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को वापस हो जायेगी। वन भूमि की आवश्यकता याचक विभाग को न रहने पर भी हस्तान्तरित भूमि तथा उस पर निर्मित भवन आदि स्वतः बिना किसी प्रतिकर का भुगतान किये वन विभाग को प्राप्त हो जायेगी।
11. सड़क निर्माण के प्रस्तावों पर एलाइनमेंट तय होते समय स्थानीय स्तर पर वन विभाग का परामर्श सा०नि०वि० द्वारा प्राप्त किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में प्रमुख अभियन्ता, सा०नि०वि० के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, पर्व० क्षेत्र पौड़ी को सम्बोधित पत्र संख्या 608 सी० दिनांक 10-2-82 में निहित आदेशों का पालन भी सा०नि०वि० द्वारा किया जायेगा कि अश्वमार्ग बनाना अथवा वन मार्गों को फेर बदल कर पक्का करना याचक विभाग के खर्च से पर्याप्त न होना और नई सड़क का निर्माण ही आवश्यक है।
12. वन भूमि का मूल्य सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल्य सम्बन्धित प्रमाण पत्र के आधार पर आकलित होना जो याचक विभाग को मान्य होगा।

परियोजना का नाम- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 16 के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा के बसौलीखान चमतोला मोटर मार्ग से नयालधुरा मोटर मार्ग का निर्माण। लम्बाई 7.500 कि०मी०

13. वन भूमि पर खड़े वृक्षों का निस्तारण वन विभाग उ०प्र० वन निगम अथवा और कोई उपयुक्त प्रक्रिया जो वन विभाग उचित समझे द्वारा किया जायेगा। यदि किसी कारण से वृक्षों का निस्तान्तरण वन विभाग द्वारा सम्भव न हो सके और उसका पालन आवश्यक हो तो याचक विभाग द्वारा वृक्षों का बाजार भाव पर मूल्य देय होगा।
 14. हस्तान्तरित भूमि पर पड़ने वाले वृक्षों के प्रतिकार में याचक विभाग द्वारा हस्तान्तरित भूमि के समतुल्य वृक्षारोपण का भुगतान अथवा समतुल्य गैर वानिकी भूमि उपलब्ध न होने पर प्रस्तावित भूमि के दुगने गैर वानिकी क्षेत्रफल में वृक्षारोपण तथा 3 वर्ष तक परिपोषण व्यय जो भी वन विभाग द्वारा तय किया जाय का भुगतान याचक विभाग वन विभाग को करेगा। 1000 मीटर एवं 30 डिग्री से अधिक ढाल पर खड़े वृक्षों का पातन भी निषिद्ध है, इसी प्रकार बांज के पेड़ों पर पातन भी वर्जित है। ऐसे वृक्षों के पातन का निरीक्षण वन संरक्षक स्तर पर ही होगा।
 15. वन भूमि के ऊपर से विद्युत लाईन ले जाने में यथासम्भव पेड़ों का कटान नहीं किया जायेगा। या खम्भों को ऊँचा करके इसे सुनिश्चित किया जायेगा। यदि फिर भी पेड़ों का कटान अनिवार्य प्रतीत होता है तो न्यूनतम पेड़ों की संख्या संयुक्त स्थल निरीक्षण करके सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा निश्चित की जायेगी, जिस पर संरक्षण का अनुमोदन आवश्यक है।
 16. यदि नहर आदि निर्माण में भू-संरक्षण की सम्भावना होती है और नहर की दोनों पट्टियों को पक्का करना अगर आवश्यक समझा जाता है तो ऐसा याचक विभाग स्वयं अपने व्यय से करायेगा।
 17. उपरीलिखित मानक शर्तों के अतिरिक्त यदि भारत सरकार अथवा वन विभाग द्वारा किसी विशिष्ट प्रकरण में कोई अन्य शर्तें लगाई जाती हैं तो याचक विभाग को मान्य होगी।
 18. वन भूमि का वास्तविक हस्तान्तरण तभी किया जाय, जब उच्च शर्तों का पूरा पालन कर लिया जाय अथवा उनका समुचित स्तर से आश्वासन प्राप्त हो जाय।
- प्रमाणित किया जाता है कि वन विभाग उत्तराखण्ड शासन तथा भारत सरकार द्वारा लगाई गई शर्तें याचक विभाग को मान्य हैं।


सहायक अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा


अधिशायी अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा

परियोजना का नाम— प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 16 के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा के बसौलीखान
चमतोला मोटर मार्ग से नयालधुरा मोटर मार्ग का निर्माण। लम्बाई 7.500 कि०मी०

संलग्नक सं०-231

मानक शर्तों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वन विभाग उत्तराखण्ड शासन तथा भारत सरकार द्वारा लगाई गयी
मानक शर्तों का अनुपालन प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा द्वारा किया जायेगा।


सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा


अधिशाली अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा

परियोजना का नाम- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 16 के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा के बसौलीखान चमतोला मोटर मार्ग से नयालधुरा मोटर मार्ग का निर्माण। लम्बाई 7.500 कि०मी०

संलग्नक सं०-2.32

भू-वैज्ञानिक/ जिला टॉस्क फोर्स की संस्तुतियों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण-पत्र।

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना हेतु भू-वैज्ञानिक/जिला टॉस्क फोर्स द्वारा दिये गये सुझावों/शर्तों का निर्माण कार्य के दौरान लो०नि०वि० द्वारा पूरी तरह अनुपालन किया जायेगा।



सहायक अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा



अधिशाली अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा

परियोजना का नाम— प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 16 के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा के बसौलीखान चमतोला मोटर मार्ग से नयालधुरा मोटर मार्ग का निर्माण। लम्बाई 7.500 कि०मी०

संलग्नक सं०-233

धार्मिक/पौराणिक/ऐतिहासिक महत्व के स्थल न होने का प्रमाण—पत्र

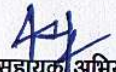
प्रमाणित किया जाता है कि आवेदित वन भूमि में किसी प्रकार का ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक स्थल, स्मारक, मन्दिर, मस्जिद, शमशान घाट, कब्रिस्तान आदि स्थित नहीं है तथा उक्त वन भूमि सार्वजनिक उपयोग की नहीं है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त वन भूमि अन्य प्रयोजन हेतु किसी को आवंटित नहीं की गई है।

अधिशायी अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा।

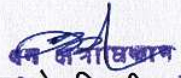
प्रभागीय वनाधिकारी,
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग,
अल्मोड़ा।


जिलाधिकारी,
अल्मोड़ा।


सहायक अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा।

उप प्रभागीय वनाधिकारी,
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग,
अल्मोड़ा।

उप जिलाधिकारी
भनोली


वनाधिकारी, जोमेश्वर
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग,
अल्मोड़ा।


तहसीलदार,
भनोली।


अल्मोड़ा

राजस्व उपनिरीक्षक
राजस्व उप निरीक्षक,
तहसील, अल्मोड़ा

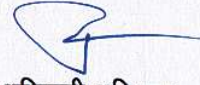
प्रपत्र-38

वन्य जीव/वनस्पतियों को क्षति न पहुँचाये जाने का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य/रख-रखाव के दौरान वन्य
जीवों/स्थानीय वनस्पतियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा।



सहायकी अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा



अधिशाली अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा

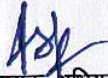
परियोजना का नाम— प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 16 के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा के बसौलीखान
चमतोला मोटर मार्ग से नयालधुरा मोटर मार्ग का निर्माण। लम्बाई 7.500 कि०मी०

संलग्नक सं०-2.35

प्रपत्र-39

परियोजना में कार्यरत श्रमिकों को मिट्टी का तेल/रसोई गैस उपलब्ध कराये जाने का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण में कार्यरत श्रमिकों को मिट्टी का तेल/रसोई गैस उपलब्ध करायी जायेगी।



सहायक अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा



अधिशायी अभियन्ता,
पी०एम०जी०एस०वाई, सिचाई खण्ड,
लो०नि०वि०, अल्मोड़ा